ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

अगस्त 8

2025 AUGUST

विक्रम संवत् 2082	श्रीशालिवाहन शाके 1947	फसली सन् 1432	इस्लामी हिजरी सन 1447	बंगला संवत् 1432	नेपाली संवत् 1145
श्रावण शुक्ल 8 से भाद्रपद शुक्ल 8 तक। ता. 10 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।	राष्ट्रीय श्रावण 10 से भाद्रपद 9 तक। ता. 23 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।	प्र. सावन 22 से प्र. भादों 22 तक। ता. 10 से प्र. भादों मास प्रारम्भ।	सफर 6 से रबिउल अव्वल 7 तक। ता. 25 से रबिउल अव्वल माह शुरू।	श्रावण 16 से भाद्रपद 14 तक। ता. 18 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।	श्रावण 16 गते से भाद्रपद 15 गते तक। ता. 17 से भाद्रपद मास प्रारम्भ।

दूध का हिसाब

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.1 सायं 4:56 तक।
ता.4 रात 10:40 से
ता.5 दिन 11:28 तक।
ता.8 दिन 1:41 से रात 1:32 तक।
ता.11 रात 10:38 से
ता.12 दिन 9:52 तक।
ता.14 रात 3:25 से
ता.15 दिन 2:11 तक।
ता.18 प्रातः 6:58 से सायं 5:50 तक।
ता. 21 दिन 12:36 से रात 12:6 तक।
ता.26 रात 1:23 से
ता.27 दिन 2:6 तक।
ता.30 रात 7:58 से
ता.31 दिन 8:56 तक।

तेजी-मंदी

सोना-चाँदी, लोहा, ताँबा, रुई वस्त्र, गुड़-शक्कर, केराना की वस्तुएँ, फल-फूल में तेजी का रुख रहेगा।

मूल विचार

ता.4 को ज्येष्ठा दिन 8:39 से ता.6 को मूल दिन 12:44 तक।
ता.13 को रेवती दिन 12:45से ता.15 को अश्विनी दिन 9:43 तक।
ता.21 को श्लेषा रात 11:2 से ता.23 को मघा रात 1:30 तक।
ता.31 को ज्येष्ठा दिन 3:55 से।

सूर्य नक्षत्र

ता.3 को श्लेषा सायं 5:34 से।
ता.17 को मघा व सिंह राशि सायं 4:22 से।
ता.31 को पू.फा. दिन 1:2 से।

पंचक विचार

ता.9 को रात 3:23 से
ता.14 को दिन 11:20 तक।

वार					
रवि SUN	**31** भाद्रपद शुक्ल अष्टमी रात 9:53 तक, भद्रा, वृश्चिक चं. अनुराधा दिन 3:55 तक	**3** श्रावण शुक्ल नवमी प्रातः 7:58 तक, वृश्चिक चं. विशाखा प्रातः 6:10 तक	**10** भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा दिन 12:38 तक, कुम्भ चं. धनिष्ठा दिन 3:20 तक	**17** भाद्रपद कृष्ण नवमी रात 8:6 तक, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, वृष चं.	**24** भाद्रपद शुक्ल प्रतिपदा दिन 11:6 तक, चन्द्रदर्शन, सिंह चं. पू.फा. रात 2:30 तक
सो MON		**4** श्रावण शुक्ल दशमी दिन 9:52 तक, भद्रा, वृश्चिक चं. अनुराधा दिन 8:39 तक	**11** भाद्रपद कृष्ण द्वितीया दिन 11:26 तक, भद्रा, कुम्भ चं. शतभिषा दिन 2:48 तक	**18** भाद्रपद कृष्ण दशमी सायं 5:50 तक, भद्रा, मिथुन चं. रात 4:8 से, मृगशिरा रात 3:26 तक	**25** भाद्रपद शुक्ल द्वितीया दिन 11:39 तक, कन्या चं. दिन 8:53 से, उ.फा. रात 4:0 तक
मं TUE		**5** श्रावण शुक्ल एकादशी दिन 11:28 तक, भद्रा, एकादशी व्रत, धनु चं. दिन 10:53 से, ज्येष्ठा दिन 10:53 तक	**12** भाद्रपद कृष्ण तृतीया दिन 9:51 तक, भद्रा, गणेश चतुर्थी व्रत, मीन चं. दिन 8:11 से, पू.भा. दिन 1:58 तक	**19** भाद्रपद कृष्ण एकादशी दिन 3:46 तक, एकादशी व्रत, मिथुन चं. आर्द्रा रात 2:17 तक	**26** भाद्रपद शुक्ल तृतीया दिन 12:39 तक, भद्रा, कन्या चं. हस्त समस्त
बु WED		**6** श्रावण शुक्ल द्वादशी दिन 12:41 तक, प्रदोष व्रत, धनु चं. मूल दिन 12:44 तक	**13** भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी प्रातः 7:55 तक, मीन चं. उ.भा. दिन 12:45 तक	**20** भाद्रपद कृष्ण द्वादशी दिन 2:2 तक, प्रदोष व्रत, कर्क चं. रात 7:42 से, पुनर्वसु रात 1:30 तक	**27** भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी दिन 2:6 तक, भद्रा, गणेशोत्सव, तुला चं. रात 7:4 से, हस्त प्रातः 5:56 तक
गु THU		**7** श्रावण शुक्ल त्रयोदशी दिन 1:28 तक, मकर चं. रात 8:23 से, पू.षा. दिन 2:9 तक	**14** भाद्रपद कृ. ..., भद्रा, मेष चं. दिन 11:20 से, रेवती दिन 11:20 तक	**21** भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी दिन 12:36 तक, भद्रा, कर्क चं. पुष्य रात 1:2 तक	**28** भाद्रपद शुक्ल पंचमी दिन 3:54 तक, तुला चं. चित्रा दिन 8:13 तक
शु FRI	**1** श्रावण शुक्ल अष्टमी समस्त, भद्रा, तुला चं. स्वाती रात 3:31 तक	**8** श्रावण शुक्ल चतुर्दशी दिन 1:41 तक, भद्रा, पूर्णिमा, मकर चं. उ.षा. दिन 3:2 तक	**15** भाद्रपद कृष्ण सप्तमी रात 12:58 तक, भद्रा, स्वतन्त्रता दिवस, मेष चं. अश्विनी दिन 9:43 तक	**22** भाद्रपद कृष्ण चतुर्दशी दिन 11:37 तक, अमावस्या, सिंह चं. रात 1:2 से, श्लेषा रात 1:2 तक	**29** भाद्रपद शुक्ल षष्ठी सायं 5:54 तक, तुला चं. स्वाती दिन 10:45 तक
श SAT	**2** श्रावण शुक्ल अष्टमी प्रातः 5:57 तक, वृश्चिक चं. रात 11:31 से, विशाखा समस्त	**9** श्रावण शुक्ल पूर्णिमा दिन 1:23 तक, रक्षा बन्धन, कुम्भ चं. रात 3:23 से, श्रवण दिन 3:26 तक	**16** भाद्रपद कृष्ण अष्टमी रात 10:29 तक, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, वृष चं. दिन 1:39 से, भरणी दिन 8:4 तक	**23** भाद्रपद कृष्ण अमावस्या दिन 11:7 तक, अमावस्या, सिंह चं. मघा रात 1:30 तक	**30** भाद्रपद शुक्ल सप्तमी रात 7:57 तक, भद्रा, वृश्चिक चं. प्रातः 6:43 से, विशाखा दिन 1:22 तक

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5:24	25	25	26	26	27	28	28	29	29	30	31	31	32	32	33	34	34	35	36	36	37	38	38	39	40	40	41	42	42	43
सूर्यास्त	6:36	35	35	34	34	33	32	32	31	31	30	29	29	28	28	27	26	26	25	24	24	23	22	22	21	20	20	19	18	18	17

व्रत-त्यौहार

3.रवि-श्लेषा के सूर्य सायं 5:34।
4.सोम-श्रावण सोमवार व्रत।
5.मंगल-पुत्रदा एकादशी व्रत-सबका, भौम व्रत, मंगलागौरी व्रत, दुर्गा यात्रा, हनुमान दर्शन।
6.बुध-प्रदोष व्रत।
8.शुक्र-व्रत की पूर्णिमा।
9.शनि-स्नान-दान की पूर्णिमा, रक्षा बंधन, श्रावणी उपाकर्म।
11.सोम-रक्षागया, विंध्याचल-भीमचण्डी देवी प्राकट्योत्सव।
12.मंगल-कजरी तीज व्रत, सं. बहुला गणेश चतुर्थी व्रत, च.उ. रात 8:36।
14.गुरु-हलषष्ठी-ललही छठ व्रत, पू.पर्व चेहुल्लुम।
15.शुक्र-स्वतन्त्रता दिवस।
16.शनि-श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत-सबका, गोकुलाष्टमी।
17.रवि-श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत-उ. रोहिणी मत, सिंह संक्रां. सा.4:22।
19.मंगल-जया एकादशी व्रत-सबका।
20.बुध-प्रदोष व्रत, पू.पर्व आखरी चहार शम्बा।
21.गुरु-मास शिवरात्रि व्रत, अघोर चतुर्दशी।
22.शुक्र-श्राद्ध की अमावस्या।
23.शनि-स्नान-दान की अमाव., कुशोत्पाटिनी अमावस्या।
24.रवि-चन्द्रदर्शन।
25.सोम-वाराह प्राकट्योत्सव।
26.मंगल-हरितालिका तीज व्रत, ढेला चौथ-चन्द्रदर्शन निषेध।
27.बुध-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्सव प्रारंभ।
28.गुरु-ऋषि पंचमी व्रत।
29.शुक्र-सूर्य षष्ठी व्रत, लोलार्क कुण्ड स्नान पर्व, भदैनी-वाराणसी।
30.शनि-मुक्ताभरण संतान सप्तमी।
31.रवि-लक्ष्मी व्रतारंभ, सोरहिया मेला-16 दिन प्रारंभ, राधाष्टमी व्रत, महारविवार व्रत, पू.फा. के सूर्य दिन 1:2।

विस्तृत पर्व-त्योहार जयन्ती सितम्बर के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- मानसिक कष्ट सम्भव है, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, धन लाभ होगा।
वृष- भूमि तथा सम्पत्ति से लाभ होगा, व्यापार में बाधा की सम्भावना है।
मिथुन- विद्यार्थियों को कष्ट सम्भव है, धन एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
कर्क- महिला वर्ग पर मानसिक दबाव होगा, स्वास्थ्य में सुधार होगा॥
सिंह- शीघ्रता में लिया गया निर्णय हानिकारक होगा, नौकरी पेशा हेतु मास उत्तम है।
कन्या- न्यायालय कार्य में सफलता मिलेगी, रोग-शोक की स्थिति बन सकती है।
तुला- भूमि-भवन-वाहन का सुख मिलेगा, घर परिवार में मांगलिक कार्य होंगे।
वृश्चिक- नौकरी में स्थानान्तरण संभव है, शरीर में रोग से कष्ट होगा।
धनु- व्यावसायिक क्षेत्र में बाधा आयेगी, किसी नवीन व्यवसाय का योग बनेगा।
मकर- पूरा मास मध्यम फल कारक है, रोजी-रोटी रोजगार में मंदी रहेगी।
कुम्भ- आर्थिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी, दाम्पत्य जीवन में मतभेद सम्भव है।
मीन- रक्त विकार से कष्ट होगा, विद्यार्थियों को परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी।

आकाशी-लक्षण

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, भाद्रपद में खण्ड वृष्टि होने के संकेत हैं, उ. प्र. बिहार, गुजरात, राजस्थान, म. प्र., आन्ध्र प्रदेश में तेज वायु के साथ वर्षा का योग है।

जुलाई-2025

रवि			13	20	27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध	2	9	16	23	30
गुरु	3	10	17	24	31
शुक्र	4	11	18	25	
शनि	5	12	19	26	

अपने व अपने परिवार के सभी अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए व मनोकामना की पूर्ति हेतु अपने परिवार के सदस्यों व कुछ मित्रों के साथ अपनी कुल देवी या देवता का स्मरण करते हुए पाँच बार 'ॐ नमः शिवाय' बोलते हुए- आम, आँवला, नीम, अमरुद व अन्य वृक्ष 1, 5, 11, 21 पेड़ घर के बाहर, कालोनी में रोड के किनारे अथवा हाइवे पर लगाने से अनिष्ट ग्रहों की शांति एवं मनोकामना पूर्ण होती है।

सितम्बर-2025

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10	17	24	
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

PARALYSIS कालातिल लहसुन

पैरालाइसिस के लिए घरेलू उपचार

विस्तृत रोग + दवा दिसम्बर के पीछे देखें।

बैगन मूली

किसी एक्सपर्ट की राय से ही व्यायाम करें।

संवत्सर का फल-सन् 2025 ई.

स जयति सिन्दुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम्।।

नूतन वर्ष आरम्भ होने पर घर को पवित्र करके कलश-स्थापन तथा ध्वजारोहण करना चाहिए तथा विद्वान् ब्राह्मण को बुलाकर उसका उचित पूजन कर पंचांग-फल सुनना चाहिए। इससे गंगास्नान एवं सूर्यग्रहण समान फल प्राप्त होता है। इस दिन नीम की मुलायम पत्ती व फल, जीरा, काली मिर्च, हींग, नमक पीसकर खाने से वर्षभर शरीर निरोग रहता है।

वर्षफल सन् 2025 ई.

वर्तमान वर्ष में सृष्ट्याब्द 1955885126 वर्ष गत होकर कृतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग गत होकर कलियुग का 5126 वर्ष गत होकर भोग्यादि 426874 वर्ष शेष रह जायेगा। श्री विक्रमादित्य संवत् 2082 वर्ष, शालिवाहन शाके का 1947 वर्ष गत हो जायेगा।

वर्ष के आरम्भ से 29 मार्च सन् 2025, संवत् 2081 तक 'पिंगल' नामक संवत्सर तथा 30 मार्च सन् 2025 ई. संवत् 2082 से वार्हस्पत्य मान से 60 संवत्सरों में 52वाँ संवत्सर 'कालयुक्त' नामक संवत्सर का प्रवेश होगा।

मेषादि गतमासादि 1/18/40/20/12 गत होकर 10/11/19/39/48 से "सिद्धार्थ" नामक संवत्सर का प्रवेश होगा, परन्तु वर्षभर "कालयुक्त" नामक संवत्सर का ही संकल्पादि में प्रयोग होगा।

संवत् 2082 शक 1947 में वर्तमान वर्ष के राजा-सूर्य, मंत्री-सूर्य, सस्येश-बुध, धान्येश-भौम, मेघेश- सूर्य, रसेश-शुक्र, नीरसेश-बुध, फलेश-शनि, धनेश-बुध, दुर्गेश-सूर्य। इस संवत्सर में ये दस ग्रहमंत्री भूमण्डल पर शासन करेंगे।

विंशोपक फल-सं.2082 सन् 2025 ई.

अग्निदैवत युग वर्ष नाम 'कार्तिक' मेघ नाम-संवर्त, रोहिणी निवास संधि में (समुद्र तट), समय-निवास, वाणिक गृह (बनिया घर), समय विश्वा-12, समय वाहन-अश्व (घोड़ा), स्तंभ 3 (जल-तृण-वायु), सोमवती अमावस्या (शून्य), सोमवती पंचमी एक, अंगारकी चतुर्थी एक, भानु सप्तमी-2, बुधाष्टमी (शून्य), रवि दशमी-एक समय मुहूर्त-360, समय दिन-355, तिथिक्षय-15, तिथिवृद्धि-10, उत्पत्तिविश्वा 11, खपतविश्वा-13, वर्षा विश्वा-11, धान्य-11, तृण-5, शीत-13, तेज-17, वायु-13, वृद्धि-15, क्षय-15, विग्रह-11, ऐक्य-111, शनि दृष्टि-उत्तर, सत्य-आधा, धर्म-डेढ़, पाप-18, ग्रहण-1 (चन्द्रग्रहण)।

संवत्सर फल

कालयुक्त संवत्सर फल—शासकों में मतभेद तथा युद्ध होगा तथा रोगों में वृद्धि तथा अतिवृष्टि से कष्ट होगा।

सिद्धार्थ फल—उत्तम वर्षा, फसल का उत्पादन उत्तम, शासक प्रसन्न रहें।

दस अधिकारी फल

1. राजा सूर्य—अल्प वर्षा तथा अन्न व फल का उत्पादन कम होता है। गायें अल्प दूध देती हैं। जनता को पीड़ा, चोर तथा अग्नि का भय होता है। राजाओं का मरण होता है।

2. मंत्री सूर्य—जनता में रोग तथा चोरों से भय होगा। राजभय होगा। पृथ्वी पर प्रचुर अन्न का उत्पादन होगा, रस पदार्थ सस्ते होंगे।

3. सस्येश बुध—मेघ अधिक वर्षा कारक, देश में सुख समृद्धि, उपद्रव रहित, द्विज लोग शांति पूर्वक भक्ति में तत्पर रहेंगे।

4. रसेश शुक्र—उत्तम वृष्टि से जनता प्रसन्न, सुख समृद्धि तथा शासकों में जन सेवा हेतु तत्परता होगी।

5. नीरसेश बुध—चित्रित वस्त्र, शंख तथा चन्दन का मूल्य महँगा होगा।

6. मेघेश सूर्य—मेघ अल्पवर्षा करक होंगे। स्वल्प अन्न का उत्पादन होगा तथा संसार में भय व्याप्त होगा।

7. धान्येश भौम—गेहूँ, सरसो, मूँग, तिल, उरद तथा मूँगा के भावों में वृद्धि होगी।

8. दुर्गेश सूर्य—शासन द्वारा नीति सम्पन्न व्यवहार, निर्भीकता, यात्री का भय रहित यात्रा, सुव्यस्थित शासन होता है।

9. धनेश बुध—विविध वस्तुओं का लोगों द्वारा संग्रह लाभपद रहेगा। विप्रवर्ग जप, यज्ञ में तल्लीन होंगे, कृषि पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

10. फलेश शनि—फल, पुष्प तथा वृक्षों के लिये कलह, मनुष्यों तथा चोरों से द्विजाति को कष्ट, जनपदों में जन समूह व्याकुल रहेगा।

11. रोहिणी निवास—समुद्र में महावृष्टि।

12. संवत्सर निवास—मालाकार गृह में फल-समर्पता।

13. समयवाहन गज फल—सुभिक्ष, सुख, वर्षाकाल में उत्तम वर्षा होती है।

14. नवमेघ नील नामक संवसर फल—शीघ्र वर्षा होवे।

15. द्वादश मेघ हेममाली फल—महावृष्टि।

16. वृष्टि प्रमाण—100। पर्वत 50, समुद्र-25, भूमि 12।।

आर्द्रा प्रवेश—आषाढ़ कृष्ण।

तिथि 12 फल—शुभ।

रविवार फल—पशुनाश।

भरणी नक्षत्र फल—अशुभ।

सुकर्मा योग फल—धर्म आचरण।

दिवा बेला फल—सस्य कृषि नाशक।

प्रभवादि द्विगुणमित्यादि के अनुसार शेष (3) फल मध्यम। त्रिघ्न संवत्सर इत्यादि अनुसार शेष (0) फल रौरव। द्विघ्नसंवत्सर इत्यादि अनुसार शेष (3) फल मध्यम। शक से शेष (1) फल सुभिक्ष। सर्वसंक्रान्ति मुहूर्त्तों का योग (330) तथा चन्द्रदर्शन (360)। अतः इस वर्ष सुभिक्ष कारक है। अष्टोत्तरी आययोग (99), व्ययायोग (93)। अतः विन्ध्य से दक्षिणनिवासियों को सुख होगें। विंशोत्तरी आययोग (123), व्ययायोग (75)। अतः विन्ध्य से उत्तर निवासी सुखी होंगे।

मासफल-तेजी-मंदी

जनवरी

पश्चिम राष्ट्रों में युद्धादि भय रहेगा। यवन तथा मुस्लिम राष्ट्रों में मँहगाई से जनता को कष्ट होगा। कहीं पदत्याग तथा राजनैतिक हत्याकाण्ड की घटना घटित होगी। किसी मुस्लिम राष्ट्र के प्रधान नेता के समक्ष विषम परिस्थितियाँ प्रगट होंगी। आरोपों के साथ मानहानि होगी। लोकहित में कार्य होंगे। सरकारी कोष तथा उद्योग धन्धों में वृद्धि होगी। सूचना प्रसारण तथा प्रकाशन हेतु मास कष्टकारी है। पशुओं को रोग होंगे। ज्वरादि का प्रकोप होगा। उत्तर पश्चिम भाग में जन उपद्रव व अग्निकांड से क्षति संभव है। विपक्षी प्रबल होंगे।

तेजी मंदी—तिल, मूंगफली, अलसी, सरसों तथा तेलों में तेजी। शेयरों में अस्थिरता पश्चात तेजी आयेगी। रसायनिक पदार्थों में मंदी, चावल, गेहूँ, चना, मूँग, मोठ, मिर्च, मसालों तथा ऊनी वस्त्र और सोना-चाँदी में तेजी रहेगी।

फरवरी

धार्मिक तथा सामाजिक संस्थाओं, चिकित्सालयों तथा सार्वजनिक उपक्रमों के संचालन में धन की कमी होगी। बन्दी सुधार गृहों में अराजकता होगी। कर्मचारियों द्वारा हड़ताल व आन्दोलन होंगे। किसी विशिष्ट व्यक्ति का निधन संभव है। राष्ट्रविरोधी षडयंत्रकारी कार्य होंगे। बजट जन अपेक्षा अनुरूप नहीं होगा। अपराधिक घटनायें बढ़ेंगी। यान दुर्घटना संभव है। उत्तरी पूर्वी प्रान्तों तथा सूदूर पूर्वी प्रान्तों में कानून व्यवस्था की हानि होगी।

तेजी मंदी—चीनी, गुड़, शक्कर, मोठ, चावल के भावों में अस्थिरता। मेवादि, सोना-चाँदी, रुई, कपास तथा रसायनिक पदार्थ तथा मशीनरी में तेजी आयेगी। शेयरों में मंदी। प्लास्टिक तथा स्टील, ताँबा, पीतल, जस्ता में तेजी रहेगी।

मार्च

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रगति होगी। दक्षिणी गोलार्ध के देशों में अग्निकाण्ड से क्षति। कुछ राष्ट्र रोग अथवा महामारी से प्रभावित होंगे। विश्व में विनाशकारी शस्त्रों का भय होगा। उत्पादन में वृद्धि होगी। देश में आरोग्यता रहेगी। श्रमिकों तथा कर्मचारियों की समस्या का समाधान होगा। पश्चिमोत्तर भाग में राजनैतिक अस्थिरता तथा हिंसा होगी। चक्रवात का प्रकोप होगा। वाहन दुर्घटना तथा साम्प्रदायिक तनाव होंगे। अपराध तथा उपद्रवों की अधिकता होगी। मुस्लिम राष्ट्रों में मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा।

तेजी मंदी—मूंग, मोठ, दलहन, अनाजों में मंदी कारक है। गेहूँ, चावल, जौ, ज्वार, सरसों, मूँगफली व तिल आदि तेलों के भावों में अस्थिरता रहेगी। नशीले पदार्थ, रसायनिक पदार्थ व शेयरों में तेजी आयेगी। वाहन, मशीनरी तेज होंगे। मेवादि, किराना में तेजी होगी।

अप्रैल

महँगाई से जन-साधारण में असन्तोष, कहीं भयंकर भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदा से जनधन की हानि होगी। सू. बु. शु. श. रा. का पंचगृही योग है। इस योग से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कहीं भयंकर युद्ध की संभावना, कहीं भयंकर बाढ़ की स्थिति बन सकती है। किन्हीं दो देशों में तनाव से अमेरिका आदि देश राजनीतिक लाभ उठायेंगे। तूफान चक्रवात से भयंकर हानि हो सकती है।

तेजी मंदी—शेयर बाजार, सोना, चाँदी, कागज व्यवसाय में आश्चर्यजनक तेजी होगी। लोहे व कलपुर्जों के सामान में तेजी रहेगी। मूँग, मोठ, चना, दालवाना तेज, मूंगफली, सरसो, सोयाबीन व अरण्ड के तेलों में उछाल की तेजी आयेगी। किराना सामान, ताँबा, पीतल, स्टील सामान तेज होंगे।

मई

पक्षांरभ में चार ग्रहों का योग चीन, जापान, रूस, तिब्बत आदि में भूकम्प, प्राकृतिक प्रकोप से धन हानि, दक्षिणी प्रान्तों में वाहन, यान दुर्दघटना होगी। राहु, मंगल का षडाष्टक योग से मुस्लिम राष्ट्रों के प्रमुख शासकों को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

तेजी मंदी—चन्द्र दर्शन से मूँग, मोठ, गेहूँ, जौ, चावल में तेजी रहकर मंदी आयेगी। मूँगफली, सोयाबीन व वेजीटेबल में तेजी आयेगी। रुई, कपास आदि में मंदी, शेयर बाजार में अस्थिरता होकर गिरावट आयेगी। लोहा, सोना, ताँबा, चाँदी में मंदी का रुख रहेगा। रबड़, प्लास्टिक के सामान में तेजी आयेगी। वारदाना, मेवा सामान किसमिस, बादाम, काजू, अखरोट आदि तेज होंगे। ईंधन, पेट्रोल, डीजल, गैस आदि के प्रति शासकीय दल चिन्तित रहेगा।

जून

वाद-विवाद व हंगामों का वातावरण बार-बार होगा। जिससे विकास में रुकावटें आयेंगी। राहु गुरु का नव पंचक योग से एवं शनि मंगल का षडाष्टक योग से यूरोपीय देशों के सामने जटिल समस्यायें आयेंगी। आपसी विराधी विचारधारा के कारण वीटो अधिकार योग करने से विवश होंगे। पाकिस्तान में आतंकवादी भस्मासुर पाक में ही बगावत का कारण बनेगा। राजनीतिक हत्या काण्ड होंगे। सेना शासन में सक्रिय रहेगी। भारत में नयी-नयी योजना बनेगी, जिससे महँगाई में कमी आयेगी।

तेजी मंदी—गेहूँ, जौ, चना, चावल, ज्वार, गुवार, मूँग, मोठ में तेजी रहेगी। चीनी आदि रस पदार्थों में मंदी होगी। लोहा सामान, चाय-काफी, अफीम, तम्बाकू, रेशमी वस्त्र में तेजी आयेगी। चावल, चना, बाजरा, जौ, ज्वार में मंदी होगी। घी सभी तेल तथा गुड़, चीनी, शक्कर आदि रस पदार्थ उत्तरार्ध में तेज होंगे। मसूर, अरहर में तेजी आयेगी। चाँदी, सोना, ताँबा धातु में मामूली गिरावट आयेगी।

जुलाई

चीन, बंगलादेश, पाकिस्तान की गतिविधि पर ध्यान देना होगा। सीमाओं पर अतिक्रमण हो सकता है। मंगल शनि का षडाष्टक से भीषण दुर्घटना से जन धन की हानि होगी। अमेरिका, केनेडा, ब्रिटेन, स्पेन, इटली आदि देशों में मुद्रा अवमूल्यन के कारण आर्थिक मन्दी का वातावरण रहेगा। सूर्य राहु का षडाष्टक योग से भारत में राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ संघर्ष पूर्ण होंगी।

तेजी मंदी—सरसो, चना, जौ, ज्वार में मंदी रहेगी। गुड़, शक्कर, चीनी, रुई, कपास के वस्त्रों में तेजी होगी। रसायनिक पदार्थ, ताँबा, सोना व चाँदी में तेजी होगी। शेयर बाजार में उछाल की तेजी होगी। गेहूँ, चना, मूँग ,मोठ में मंदी रहेगी। मासान्त में चावल, जौ, ज्वार आदि धान्य भावों में गिरावट आयेगी। चना, सरसों, मूंगफली तथा पीली वस्तु सोना, पीतल धातु में तेजी होगी।

अगस्त

पूर्वी राष्ट्रों में वर्मा, भूटान, चीन, जापान में भूकम्प बार-बार होगा। उत्तरी प्रान्तों के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। शनि, मंगल का सम सप्तम योग से अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईराक, ईरान में आर्थिक तंगी एवं राजनैतिक उथल पुथल होगी। अमेरिका सहायता कर सकता है। मंगल राहु का नवम पंचम योग से उत्तर कोरिया के साथ दक्षिण कोरिया में युद्ध की स्थिति बन सकती है। अफगानिस्तान में सिया सुन्नी टकराव खतरा बनकर उभरेगा।

तेजी मंदी—चन्द्र दर्शन से सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा, गुड़, शक्कर, चीनी, रुई वस्त्र महँगे होंगे। गेहूँ, मूँग, मोठ, चावल, चना में घटाबढ़ी चलेगी। सोयाबीन, मूंगफली व तुरई के तेलों में तेजी होगी। शेयर भावों में घटाबढ़ी होकर मंदी होगी। शनिवारी अमावस्या से उत्तरार्ध में सोना-चाँदी, ताँबा, स्टील और लोहा के सामान में तेजी का संचार होगा।

सितम्बर

केन्द्र स्थल व उत्तर प्रदेश, बिहार के क्षेत्रों में जनता में क्रोध की स्थिति बढ़कर तोड़फोड़, अग्नि काण्ड से हानि होगी। थोड़े समय के लिये चार ग्रहों का योग बनने से चीन, जापान, वियतनाम, रूस, तिब्बत, वर्मा आदि में भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन हानि होगी। गुरु राहु का नव पंचम योग से छत्तीसगढ़, जम्बू काश्मीर आदि प्रान्तों में उग्रवादी ग्रुपों द्वारा भारी जन-धन की हानि होगी। बिहार में राजनीति गर्म रहेगी।

तेजी मंदी—शेयर बाजार, केमिकल सामान और प्लास्टिक सामान, रुई, सूत, कपास, वारदाना में तेजी रहेगी। चाँदी, सोना में झटके की तेजी बनेगी। मूंगफली सरसो, अरण्ड के तेलों में तेजी होगी। गेहूँ, जौ, चावल, ज्वार में मंदी रहेगी। कन्या के सूर्य से सोना, चाँदी, मूंग, मोठ, ज्वार, मक्का में मंदी आयेगी।

अक्टूबर

शनि, मंगल का षडाष्टक से अरब, ईरान, ईराक तथा पाकिस्तान राष्ट्रों में शासकों में आपसी मतान्तर बनकर विग्रह बढ़ेगा। संवेदनशील क्षेत्रों में तथा अशान्त सीमा प्रान्तों में सैन्यबल से संघर्ष होगा। कुछ मुस्लिम राष्ट्रों में भयंकर युद्ध की स्थिति बनेगी। जनता स्थानान्तरण के लिये विवश होगी। नीचस्थ शुक्र सूर्य का द्विर्द्वादश योग प्राकृतिक प्रकोप से धन हानि होगी।

तेजी मंदी—गेहूँ, जौ, चावल, चना, मूंग, मोठ, बाजरा के भावों में घटाबढ़ी होगी। गुड़, चीनी, शक्कर में तेजी का वातावरण बनेगा। उत्तरार्ध में सरसो, सोयाबीन, मूंगफली, एरण्ड व वनस्पति घी तथा शेयर बाजार में उछाल आयेगा।

नवम्बर

विपक्षी नेता देश की प्रगति पथ पर बाधक बनेंगे। गोचर स्थिति के अनुसार पाकिस्तान व अन्य मुस्लिम देश पूर्वोत्तर भारत में इस्लामीकरण की मनोवृत्ति को प्रेरित करके उपद्रव करा सकते हैं। असम, त्रिपुरा की तरफ विशेष ध्यान दें। मेघालय, मणिपुर आदि बंगला देशी बहुल प्रदेश पश्चिमोत्तर बिहार के सीमा में वातावरण अशान्त होगा।

तेजी मंदी—चना, सरसो, अलसी, सोयाबीन, सूत, कपास, रुई, बिनौला में मंदी होगी। शेयर बाजार, गुड़, चीनी, शक्कर, घी में घटाबढ़ी होकर मंदी होगी। मशीनरी सामान व रेशमी वस्त्र, ईंधन, तेल, पेट्रोल, घास, चारा में तेजी का रुख रहेगा। मासान्त में सोना, चाँदी, पीतल, ताँबा तेज होंगे।

दिसम्बर

इस मास में पाँच शुक्र एवं शनि मिश्रित फल देंगे। उत्तरी प्रान्तों के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा आ सकती है। पूर्वी राष्ट्र वर्मा भूटान जापान में भूकम्प आ सकता है। जिससे जन जीवन अस्त व्यस्त होगा। शनि गुरु एवं मंगल गुरु का नवम पंचम योग देश में जटिल समस्याओं को उत्पन्न करेगा। ब्रिटेन, स्कॉटलैण्ड, जापान, रुस आदि में भारी परिवर्तन संभव है। यूरोप में किसी विशिष्ट प्रशासक व्यक्ति विशेष की मृत्यु व हत्या से शोक व्याप्त होगा। मंगल पर शनि की दृष्टि से अग्नि काण्ड से हानि, कहीं विस्फोट व यान दुर्घटना से जन-धन की हानि का समाचार मिलेगा। इस समय फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ सकता है।

तेजी मंदी—चन्द्र दर्शन से रसायनिक पदार्थ शेयर बाजार और वाहनादि मशीनरी सामान तेज होंगे। बादाम, काजू, किसमिस, अखरोट, कालीमिर्च आदि किराना में सामान में उछाल आयेगा। चना, सरसो, मूंगफली तथा पीली धातु, सोना-चाँदी, पीतल एवं पीली वस्तु में तेजी आयेगी। उत्तरार्ध में शेयर बाजार में गिरावट आयेगी, गेहूँ,चावल, मूंग, मोठ, गुड, शक्कर में गिरावट होगी।

नं. 1 विन्ध्योत्तर निवासियों के लिए विंशोत्तरी मत से लाभ-खर्च

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्चि	ध.	म.	कु.	मी.	योग
लाभ	14	8	14	8	11	14	8	14	11	5	5	11	123
खर्च	11	5	2	14	11	2	5	11	2	5	5	2	75

नं. 2 विन्ध्य से दक्षिण निवासियों के लिए अष्टोत्तरी मत से लाभ-खर्च

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्चि	ध.	म.	कु.	मी.	योग
लाभ	2	11	14	8	11	14	11	2	5	8	8	5	99
खर्च	14	5	2	2	11	2	5	14	5	14	14	5	93

लाभ-खर्च देखने की विधि—जिस राशि का फल देखना हो उस राशि के कोष्टक का लाभ तथा खर्च अंकों को जोड़कर, उसमें एक घटाकर आठ (8) का भाग देने पर जो शेष बचे उसका फल इस प्रकार है—

यदि 1 शेष बचे तो लाभ, 2 शेष हो तो सौख्य, 3 शेष हो तो क्लेश, 4 शेष हो तो रोग, 5 शेष हो तो लोकापवाद, 6 शेष हो तो सम्मान, 7 शेष हो तो विजय, 8 या 0 शून्य शेष हो तो हानिकारक होगा।

मतान्तर से—दोनों चक्रों का लाभ संख्या जोड़कर लाभ तथा दोनों के व्यय को जोड़कर व्यय समझना चाहिए। यदि लाभ योग अधिक हो तो शुभ तथा व्यय संख्या अधिक हो तो अशुभ समझना चाहिए।